अवधारणा

सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान, भोपाल, विज्ञान भारती, मध्यभारत प्रांत, भोपाल, मध्य प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल, सीएसआईआर - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, एवं अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में एम्प्री, भोपाल में "राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन-2024" का आयोजन 30-31 जुलाई 2024 को किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंदी भाषा के द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का प्रचार प्रसार करना है | समाज के सर्वांगीण विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध एवं प्रयोगों को नए सिरे से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है | सम्भावनाए अपार है एवं इस दिशा में व्यापक प्रयास की जरुरत है। अपनी मातृभाषा में किसी भी विषय का अध्ययन, शोध एवं प्रेषण सुगम होता हैं इस बात को ध्यान में रखते हुए सभी हिंदी भाषा या हिंदी में कार्य करने में रूचि रखने वालों के लिए यह सम्मलेन एक मजबूत आधार प्रदान करेगा | इस सम्मलेन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों को शामिल किया गया है।

सीएसआईआर -एम्प्री, भोपाल

सीएसआईआर–प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल, जो कि वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली की एक घटक प्रयोगशाला है, प्रगत पदार्थों के क्षेत्र में अभिनव, अत्याधुनिक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी, ऊर्जा कुशल और पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों / उत्पादों को विकसित करने के लिए, सामाजिक विकास तथा देश की अर्थव्यवस्था की उन्नति हेतु प्रतिबद्ध है | इसका उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हुए सतत विकास लक्ष्यो को प्राप्त करने के लिए औद्योगिक, सामाजिक और पर्यावरणीय अनुप्रयोगो के लिए प्रगत पदार्थ एवं प्रक्रमों को निर्मित करना है| सीएसआईआर-एम्प्री, मूल अन्वेषणात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देता है, साथ ही इंजीनियरिंग सामग्री का विकास, राष्ट्र, उद्योग और समाज के एकीकृत विकास के लिए सम्पन्न करता है|

विज्ञान भारती नई दिल्ली

विज्ञान भारती का मूल चिन्तन आधुनिक विज्ञान तथा भारतीय वांग्मय एवं पुरातात्विक साक्ष्य द्वारा प्रदत्त विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान का समन्वय कर, भारत के प्रत्येक क्षेत्र तथा वर्ग के उत्थान हेतु उसका उपयोग कर अपने भारत वर्ष को परम वैभवशाली बनाने का मार्ग प्रशस्त करना है। विश्व को समग्र विज्ञान प्रदान करने के लिए विज्ञान भारती कृत संकल्प है। विज्ञान भारती की देश भर के 22 राज्यों में इकाइयाँ और 4 राज्यों में संपर्क हैं। यह स्वायत्त संस्थानों, स्वतंत्र संगठनों और परियोजना संस्थाओं के माध्यम से 11 विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहा है।

मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल

मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, म.प्र. शासन के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक स्वायत्त संगठन है जिसकी स्थापना विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य के सतत विकास को अनुकूलित करने के उद्देश्य से की गई थी। परिषद के प्रमुख उद्देश्यों में उन क्षेत्रों की पहचान करना शामिल है जहां विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग राज्य के विकास को गति दे सकते है। इसका लक्ष्य, राज्य में वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं के विकास और सुधार में योगदान दे कर राज्य के संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है।

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विवि, भोपाल

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली द्वारा अपने 11क्षेत्रीय एवं 612 अध्ययन केंद्रों के माध्यम से प्रदेश के कोने -कोने में किफायती, गुणवत्तापूर्ण उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा पंहुचाने हेतु प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय को नैक द्वारा "ए " ग्रेड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के यूट्यूब पर अपलोडेड व्याख्यानों को विश्व के 33 देशों में देखा जा रहा है। प्रदेश में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने वाला यह एक मात्र शासकीय विश्वविद्यालय है जो "आपकी शिक्षा, आपके द्वार " मिशन के साथ उच्च शिक्षा से वंचितों के लिए समर्पित है।

सीएसआईआर-निस्पर, नई दिल्ली

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-निस्पर) विज्ञान संचार, साक्ष्य-आधारित विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संबंधी नीति अनुसंधान को आगे बढ़ाने और जनता के बीच वैज्ञानिक जागरूकता को प्रोत्साहन देने के लिए समर्पित है। नवीन पहलों और सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, यह संस्थान वैज्ञानिक समुदाय और आमजन के बीच सेतु की भूमिका निभाता है।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि, भोपाल

इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो समग्र व्यक्तित्व विकास के साथ रोजगार कौशल और चारित्रिक दृष्टि से विश्वस्तरीय हो। विश्वविद्यालय ऐसी शैक्षिक व्यवस्था का सृजन करना चाहता है जो भारतीय ज्ञान तथा आधुनिक ज्ञान में समन्वय करते हुए छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों में ऐसी सोच विकसित कर सके जो भारत केन्द्रित होकर संपूर्ण सृष्टि के कल्याण को प्राथमिकता दे।

भोपाल के बारे में

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल अपनी विभिन्न प्राकृतिक विशेषताओं के लिए झीलों के शहर के रूप में भी जाना जाता है, साथ ही भोपाल अपनी ऐतिहासिक संस्कृति एवं वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है| यह भारत में सबसे स्वच्छ और हरित शहरों में से एक है एवं इसके आसपास पर्यटन के लिए कई जगह हैं जैसे कि भोजपुर मंदिर, बिड़ला मंदिर, सांची स्तूप, भीमबेटका गुफाएं, राज्य संग्रहालय, भारत भवन, विज्ञान केंद्र, गौहर महल, शौर्य स्मारक, झील, वन विहार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, मनुआ भानु की टेकरी, गुफा मंदिर, ताज-उल-मस्जिद, जामा मस्जिद, शौकत महल, गिन्नौरगढ़ का किला, आंचलिक विज्ञान केंद्र, मछलीघर, केरवा बांध, आदि।

पत्राचार हेतु पता :

डॉ. कीर्ति सोनी

आयोजन सचिव, राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन-2024

जल संसाधन प्रबंधन और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, सीएसआईआर- प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान, भोपाल

नर्मदापुरम रोड, भोपाल (म.प्र.)-462026

सम्पर्क हेतु मोबाइल: : 9711154513 (डॉ. कीर्ति सोनी), 9557063172 (शिव सिंह पटेल) ईमेल: RHVSBhopal2024@gmail.com